LD-102-S.E.-CV-19

LL.M. (1st Semester)

Examination, Jan.-2021

Paper-II

INDIAN LEGAL & CONSTUTUTIONAL HISTORY

Time : Three Hours] **[Maximum Marks : 100**

नोट : किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
Note : Answer any four questions. All questions carry equal marks.

1. "1726 ई. के राजलेख से उत्पन्न दोषो को दूर करने के लिए 1753 का राजलेख अस्तित्व में आया" इस कथन को समझाइए।
"The charter of 1753 came into the existence to overcome the lacunas arose by the charter of 1726". Explain this statement.

2. सन् 1781 के बन्दोबस्त अधिनियम ने सुप्रीम कोर्ट तथा सुप्रीम कौंसिल के बीच उत्पन्न मतभेदो को दूर कर दिया। पटना केस के संदर्भ में समझाइए।
The act of settlement removed the differences between the Supreme Court and supreme council. Explain with the help of Patna case.

3. प्रीवी कौंसिल ने भारत तथा इंगलैण्ड के बीच एक सेतु के रूप में कार्य किया एवं इसी के द्वारा इंग्लैण्ड के वैधानिक विचार भारत आए। विवेचना कीजिए।
Privy Council has served as a bridge between India and England and through that the legal ideas of England travelled from England to India. Explain.

4. ब्रिटिश भारत में न्याय प्रशासन के क्षेत्र में लॉर्ड कार्नवालिस को योगदान करे समझाइए।
Explain the contribution of Lord Carnawalis in the administration of justice in British India.

5. भारतीय उच्च न्यायलय अधिनियम 1861 ई. को भारत में प्रचलित न्याय व्यवस्था को सुधारने के लिए पारित किया गया था। व्याख्या कीजिए।
The Indian Highs Court Act, 1861 was passed in order to improve the existing legal system of India. Discuss.

6. चार्टर एक्ट 1833 के महत्व को संहिताकरण तथा स्थानीय प्रतिवेदन के संदर्भ में समझाइए।
Explain the importance of charter Act 1833 with the special reference to codification and lex-loci report.

7. भारत सरकार अधिनियम 1935 के प्रावधानों को समझाइए।
Explain the provisions of Govt. of India Act 1935.

8. समझाइए (कोई दो):– **Explain (any two):-**
   (1) भारत में अपराधिक विधि का विकास।
   Development of criminal law in India.
   (2) जातीय भेदभाव।
   Racial Discrimination.
   (3) प्रांतो में द्वैध शासन।
   Dyarchy in provinces.
   (4) भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947
   Indian independence act 1947.